1975 में लगे आपात्काल के दौरान नानाजी भूमिगत थे। और छिपकर आपात्काल के खिलाफ देशव्यापी आन्दोलन की व्यूह रचना कर रहे थे। उनको गिरफ्तार करने के लिए पुलिस लगी हुई थी।